

होजरी उद्योग के इतिहास और वर्तमान स्थिति का अध्ययन

Vidya Verma

Assistant Professor-Home Science

Govt. Degree College, Sumerpur Hamirpur

सार

होजरी उद्योग, जो कपड़ों के एक विशिष्ट वर्ग को समर्पित है, भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उद्योग न केवल रोजगार सृजन में योगदान देता है बल्कि देश के निर्यात राजस्व में भी वृद्धि करता है। हाल के वर्षों में, वैश्वीकरण और तकनीकी परिवर्तनों के कारण होजरी उद्योग ने कई बदलावों का सामना किया है। होजरी उद्योग एक ऐसा उद्योग है जिसने सदियों से मानव जीवन को आराम और फैशन प्रदान किया है। यह उद्योग कपड़ों के उन छोटे-छोटे टुकड़ों का निर्माण करता है जो हमारे शरीर के विभिन्न हिस्सों को ढकते हैं और उन्हें गर्म रखते हैं। भारत में, विशेषकर लुधियाना शहर, होजरी उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। होजरी उद्योग का आरंभ प्राचीन काल से माना जाता है। जब मनुष्य ने पत्तों और जानवरों की खाल से अपने शरीर को ढकना शुरू किया, तब से ही कपड़ों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। समय के साथ, बुनाई की तकनीक विकसित हुई और लोगों ने विभिन्न प्रकार के कपड़े बनाने शुरू किए। भारत में, होजरी उद्योग का विकास ब्रिटिश शासनकाल के दौरान हुआ। ब्रिटिशों ने भारत में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा दिया और कई कपड़ा मिलें स्थापित की गईं। इन मिलों में सूती कपड़े के साथ-साथ ऊनी कपड़े भी बनाए जाते थे। स्वतंत्रता के बाद, भारत सरकार ने स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां बनाईं और होजरी उद्योग भी इन नीतियों से लाभान्वित हुआ।

मुख्य शब्द

होजरी, उद्योग, वर्तमान

भूमिका

भारत में लुधियाना शहर को होजरी उद्योग का केंद्र माना जाता है। यहां पर छोटे-छोटे कारखानों से लेकर बड़ी-बड़ी इकाइयां तक हैं जो विभिन्न प्रकार के होजरी उत्पाद बनाती हैं। लुधियाना में उत्पादित होजरी उत्पादों को देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में भी निर्यात किया जाता है।

होजरी बाजार का आकार 2024 में 59.72 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है, और 2029 तक 75.71 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पूर्वानुमान अवधि (2024-2029) के दौरान 4.86% की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

मध्यम अवधि में होजरी बाजार के बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। ग्राहक ऑनलाइन चैनलों जैसे कि Amazon, Flipkart, eBay और अन्य के माध्यम से उत्पादों पर छूट और ऑफर प्राप्त कर रहे हैं, यही वजह है कि विभिन्न देशों में घुटने तक के जूते, लेगिंग, मोजे और लेग वार्मर जैसे उत्पादों की मांग बढ़ रही है। विभिन्न ब्रांडों की उपलब्धता के कारण, ग्राहकों को ब्रांड, स्टाइल और रंगों के लिए अधिक से अधिक विकल्प मिल रहे हैं। महिलाओं के बीच, लेगिंग, टाइट्स और मोजे की मांग बढ़ रही है क्योंकि उनकी कामकाजी आबादी में वृद्धि हुई है।

होजरी उद्योग का महत्व निम्नलिखित कारणों से है:

रोजगार सृजन: यह उद्योग लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में।

आर्थिक विकास: होजरी उत्पादों का निर्यात देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि करता है।

फैशन उद्योग में योगदान: होजरी उत्पाद फैशन उद्योग का एक अभिन्न अंग हैं और वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों के लिए आवश्यक हैं।

कच्चे माल का उपयोग: यह उद्योग कपास, ऊन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है, जिससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलता है।

भारतीय होजरी उद्योग वर्तमान में कई चुनौतियों और अवसरों का सामना कर रहा है।

चुनौतियाँ:

कड़ी प्रतिस्पर्धा: चीन और अन्य एशियाई देशों से सस्ते उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है।

तकनीकी बदलाव: स्वचालन और रोबोटिक्स ने श्रम लागत को बढ़ा दिया है।

कच्चे माल की कीमतें: कपास और अन्य कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उत्पादन लागत बढ़ जाती है।

मौसमी मांग: होजरी उत्पादों की मांग मौसमी होती है, जिससे उत्पादन में अनिश्चितता पैदा होती है।

अवसर:

घरेलू बाजार का विस्तार: भारत की बढ़ती जनसंख्या और बढ़ती आय के साथ, घरेलू बाजार में होजरी उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

ई-कॉमर्स: ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने होजरी उत्पादों के लिए नए बाजार खोले हैं।

नवाचार: नए डिजाइन, पैटर्न और सामग्री के साथ उत्पादों को विकसित करने के लिए नवाचार की आवश्यकता है।

ब्रांडिंग: मजबूत ब्रांड बनाने से कंपनियां प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकती हैं।

भविष्य में, भारतीय होजरी उद्योग को निम्नलिखित क्षेत्रों में विकास करने की उम्मीद है:

तकनीकी उन्नयन: उद्योग को स्वचालन और रोबोटिक्स को अपनाकर उत्पादन लागत कम करनी होगी।

नए बाजारों का विकास: अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सतत विकास: पर्यावरण के अनुकूल सामग्री और प्रक्रियाओं को अपनाकर उद्योग को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है।

डिजाइन और नवाचार: उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए डिजाइन और पैटर्न विकसित करने की आवश्यकता है।

होजरी उद्योग के वर्तमान स्थिति का अध्ययन

होजरी उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हालांकि, यह उद्योग कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। भविष्य में, उद्योग को तकनीकी उन्नयन, नए बाजारों का विकास और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। सरकार को भी इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान करना चाहिए।

होजरी उद्योग, जो कपड़ों के एक विशिष्ट वर्ग से संबंधित है, भारत में एक महत्वपूर्ण उद्योग रहा है। यह उद्योग न केवल रोजगार सृजन में योगदान देता है बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करता है। हाल के वर्षों में, वैश्वीकरण और तकनीकी परिवर्तनों के कारण होजरी उद्योग ने कई बदलावों का सामना किया है।

इसके अलावा, विभिन्न स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी उपभोक्ताओं की भागीदारी हासिल करने के लिए ऑर्गेनिक कमोडिटीज, एंटी-बैक्टीरियल सैनिटाइज्ड यार्न और नॉन-कम्प्रेसन, सॉफ्ट स्ट्रेचेबल इलास्टिक सॉक्स जैसी नई पेशकशों के साथ अभिनव डिजाइनर होजरी पेश कर रहे हैं। फैशन और जीवनशैली में बदलाव के कारण, आजकल लोग सेल्फ-ग्रूमिंग को लेकर चिंतित हैं, जिसने नए प्रवेशकों और बाजार में अन्य खिलाड़ियों को मौजूदा ट्रेंड फैशन के अनुसार आरामदायक ड्रेसिंग पेश करने के लिए मजबूर किया। इसके अलावा, बाजार के खिलाड़ी महिलाओं की जरूरतों पर भी विचार कर रहे हैं और आराम के लिए उत्पाद लॉन्च कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, अगस्त 2021 में, एडिडास ने महिलाओं के लिए नई टेकफिट पीरियड-प्रूफ टाइट्स लॉन्च कीं। टैम्पोन या पैड के साथ पहने जाने पर लीक से बचाने में मदद करने के लिए टाइट्स को एक शोषक परत के साथ बनाया गया है।

होजरी बाजार खंडित है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक खिलाड़ी हैं, जैसे कि वोलफोर्ड एजी, हेन्सब्रांड्स इंक., जॉकी इंटरनेशनल इंक., गिलफिन एसपीए और सीएसपी इंटरनेशनल फैशन ग्रुप एसपीए। ऑनलाइन बिक्री की बढ़ती पहुंच के साथ, खिलाड़ियों ने ई-कॉमर्स बिक्री पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। खिलाड़ी अधिक उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए कपड़ों के मिश्रण जैसे नवाचार भी ला रहे हैं। निर्माता वैश्विक बाजार में अन्य खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने के लिए विलय और अधिग्रहण और उत्पाद नवाचार के माध्यम से अपने उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्नत वितरण नेटवर्क और विनिर्माण विशेषज्ञता निर्माताओं को बाजार में अपने उत्पादों की रेंज का विस्तार करने के लिए एक ऊपरी बढ़त देती है।

होजरी उद्योग, जो कपड़ों के एक विशिष्ट वर्ग को समर्पित है, भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उद्योग न केवल रोजगार सृजन में योगदान देता है बल्कि देश के निर्यात आय में भी वृद्धि करता है। हाल के वर्षों में, वैश्वीकरण और तकनीकी परिवर्तनों के कारण होजरी उद्योग में कई बदलाव आए हैं। इस निबंध में, हम होजरी उद्योग की वर्तमान स्थिति का एक विस्तृत विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे, जिसमें उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियाँ, अवसरों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

वर्तमान स्थिति

वृद्धि और चुनौतियाँ: भारतीय होजरी उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, श्रम की कमी, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और नवीनतम तकनीकों को अपनाने में कठिनाई।

तकनीकी परिवर्तन: उद्योग में स्वचालन और रोबोटिक्स का बढ़ता उपयोग उत्पादन लागत को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर रहा है।

ई-कॉमर्स का प्रभाव: ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने होजरी उत्पादों के विपणन और वितरण के तरीकों को बदल दिया है।

फैशन के रुझान: उपभोक्ताओं की बदलती फैशन की पसंद ने होजरी उत्पादों के डिजाइन और उत्पादन में नवीनता लाने की आवश्यकता को जन्म दिया है।

भविष्य की संभावनाएं

सतत विकास: भविष्य में, होजरी उद्योग को अधिक सतत और पर्यावरण के अनुकूल बनने की आवश्यकता होगी।

डिजिटलीकरण: उद्योग को डिजिटल तकनीकों को अपनाने और आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी।

वैश्वीकरण: उद्योग को वैश्विक बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए नए बाजारों का पता लगाना होगा।

भारतीय होजरी उद्योग एक विविध उद्योग है जो विभिन्न प्रकार के होजरी उत्पादों का निर्माण करता है, जैसे कि मोजे, अंडरवियर, स्वेटर आदि। यह उद्योग मुख्य रूप से सूती धागे का उपयोग करता है और देश के विभिन्न हिस्सों में फैला हुआ है। हाल के वर्षों में, उद्योग ने कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं, जैसे कि उत्पादन क्षमता में वृद्धि, नए डिजाइन और फैशन के उद्भव और निर्यात में वृद्धि।

भारतीय होजरी उद्योग के पास उज्ज्वल भविष्य है। उद्योग को वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने, उत्पाद गुणवत्ता में सुधार करने और नए बाजारों को विकसित करने की आवश्यकता है। सरकार को भी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अधिक नीतियां बनाने की आवश्यकता है।

होजरी उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्योग के सामने कई चुनौतियाँ हैं, लेकिन साथ ही कई अवसर भी हैं। उद्योग को इन चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए नई रणनीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है। सरकार और उद्योग जगत को मिलकर काम करके भारतीय होजरी उद्योग को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख खिलाड़ी बना सकते हैं।

निष्कर्ष

होजरी उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हालांकि, उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद, उद्योग में भविष्य की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। उद्योग को सफल होने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाने, वैश्विक बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने और सतत विकास को अपनाने की आवश्यकता होगी।

सन्दर्भ सूची

- 1- पन्त डी.सी. - भारत में ग्रामीण विकास 2019, त्रिपोलिया कालेज बुक डिपो जयपुर।
- 2- गुप्ता, ओम प्रकाश एवं गुप्ता जी.पी. एवं कश्यप, एस.पी. - लघु उद्योग एवं महिला उद्यमिता वर्तमान स्थिति और विश्लेषण

- 3- त्रिपाठी, एन.सी - उद्यमिता विकास रमेश रमेश प्रकाशन मेरठ
- 4- उद्यमिता समाचार पत्र - उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. सेडमैप जहांगीराबाद भोपाल
- 5- स्वरोजगार एवं मार्गदर्शन श्रम मंत्रालय भारत सरकार जबलपुर।
- 6- समूह प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र भोपाल।



- 7- फडिया बी.एल. 2020., लोक प्रकाशन एवं शोध प्रविधि, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
- 8- गंगराडे के.डी. 2021., गांधी के आदर्श और ग्रामीण विकास, राधा पब्लिकेशन, दरियागंज, नई दिल्ली
- 9- गर्ग डी.पी. 2020. समन्वित ग्रामीण विकास एवं सहकारिता, शिवा प्रकाशन, इन्दौर
- 10- गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. 2021., भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
- 11- गोयल अनुपम 2020. भारतीय अर्थव्यवस्था, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, इन्दौर